15 राजस्थान के लोकनाट्य

1. रम्मत नामक रंगमंच/नाट्य किस क्षेत्र से संबंधित है?
(1) भरतपुर (2) उदयपुर
(3) टोंक (4) बीकानेर (4)

2. निम्न में से असंगत युग्म छांटिए–
(1) कुचामन ख्याल – नानूराम
(2) शेखावाटी ख्याल – दूलिया राणा
(3) रम्मत – तेज कवि जैसलमेरी
(4) तमाशा – बंशीधर भट्ट (1)

व्याख्या– कुचामन ख्याल के प्रसिद्ध नाट्यकार लच्छीराम व उगमराज है।

3. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस शहर में होली के अवसर पर 'रम्मत' का आयोजन किया जाता है?
(1) करौली (2) बीकानेर
(3) जैसलमेर (4) जोधपुर (2)

4. राजस्थान के पूर्वी अंचल में प्रचलित नौटंकी किस राज्य से प्रभावित है?
(1) उत्तर प्रदेश (2) मध्यप्रदेश
(3) हरियाणा (4) गुजरात (1)

5. निम्नलिखित में से कौन–सी लोक संगीत एवं नृत्य शैली जयपुर से सम्बधित है?
(1) रम्मत (2) तमाशा
(3) ढप्पाली ख्याल (4) नौटंकी (2)

व्याख्या– तमाशा लोक नाट्यों की शुरुआत महाराजा प्रतापसिंह के समय जयपुर से हुई। यह मूलत: महाराष्ट्र का लोकनाट्य है।

6. 'तुर्राकलंगी' लोक नाट्य के रचनाकार है?
(1) अली बक्श और युनस अली (2) रमजान और शोएब खान
(3) फैजुल्ला और करीम हसन (4) शाह अली और तुक्कनगीर (4)

व्याख्या– तुर्रा कलंगी लोक नाट्य में तुर्रा को शिव का प्रतीक व कलंगी को पार्वती का प्रतीक माना जाता है। चन्देरी के शासक ने तुकनगीर को तुर्रा व शाह अली को कलंगी भेंट की थी।

7. किस कलाकार ने गोपीचन्द तथा हीर रांझा तमाशा प्रारम्भ किया?
(1) सदाशिव (2) वासुदेव भट्ट
(3) जयदेव कलाली (4) नानूराम (2)

8. किस लोक नाट्य में स्त्रियों की भूमिका पुरुष नहीं निभाते हैं?
(1) तुर्रा कलंगी ख्याल (2) कुचामनी ख्याल
(3) गवरी नृत्य (4) तमाशा (4)

9. गोमा–मीणा, कालु कीर, कानगूजरी, मियांवड़ व नाहर आदि है?
(1) चारबैंत की श्रेणियाँ
(2) भील जनजाति के नृत्यों के विभिन्न प्रकार
(3) छोटी नाटिकायें, जिनका मंचन गवरी उत्सव में किया जाता है।
(4) रम्मत के लोकगीत (3)

10. धौलपुर, भरतपुर, सवाई माधोपुर, अलवर व करौली जिलों में प्रचलित लोकनाट्य है?
(1) चारबैंत (2) रामलीला
(3) नौटंकी (4) रासलीला (3)

व्याख्या– नौटंकी का प्रचलन भूरी लाल ने प्रारम्भ किया था। ये पूर्व में हाथरस (उत्तरप्रदेश) में नौटंकी करते थे।

11. नौटंकी तथा रामलीला राजस्थान के किस भाग में अधिक लोकप्रिय है?
(1) पूर्वी (2) दक्षिणी
(3) पश्चिमी (4) उत्तरी (1)

12. रम्मत क्या है?
(1) जनजातीय नृत्य (2) संगीत गायन शैली
(3) बंधेज की एक कला (4) नृत्य नाटक (4)

व्याख्या– रम्मत का उद्भव जैसलमेर से हुआ। इसके मुख्य कलाकार 'टेरिये' कहलाते हैं। टेरिये के बोल के साथ पात्र नाचते हुए अपनी कला प्रदर्शित करते हैं।

13. राज्य में नौटंकी का सर्वाधिक प्रचलन किस जिले में है?
(1) झालावाड़ (2) बीकानेर
(3) उदयपुर (4) भरतपुर (4)

14. किस लोकनाट्य में स्त्री पात्रों की भूमिका स्त्रियाँ ही निभाती है?
(1) कुचामनी ख्याल (2) जयपुरी ख्याल
(3) तुर्रा कलंगी ख्याल (4) गवरी नाट्य (2)

15. भानू भारती द्वारा रचित प्रसिद्ध 'पशु गायत्री' नाट्य किस लोक–नाट्य पर आधारित है?
(1) गवरी लोक–नाट्य (2) रम्मत
(3) चारबैंत नाट्य (4) तुर्रा कलंगी ख्याल (1)

16. कुचामनी ख्याल के प्रवर्तक कौन थे?
(1) बंशीधर भट्ट (2) गोपीकिशन भट्ट
(3) वासुदेव भट्ट (4) लच्छीराम (4)

17. हेला ख्याल लोक संगीत राजस्थान के निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से संबंधित है?
(1) दौसा– सवाई माधोपुर (2) अलवर–भरतपुर
(3) कोटा–बारां (4) अजमेर–नागौर (1)

व्याख्या– हेला ख्याल के प्रवर्तक हेला शायर थे। इसे संगीत दंगल के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इसी कारण इसमें शायर/आशु कवियों का मुख्य योगदान रहता है।

18. अलीबक्शी ख्याल राजस्थान के कौन से क्षेत्र में प्रचलित लोक नाट्य शैली है?
(1) अलवर (2) कोटा
(3) अजमेर (4) बीकानेर (1)

19. किस ख्याल के प्रवर्तक बंशीधर भट्ट को माना जाता है?
(1) नौटंकी (2) स्वांग
(3) तमाशा (4) चारबैंत (3)

20. निम्न में से असंगत युग्म है–
(1) मरूस्थलीय क्षेत्रों के लोक नाट्यों में जनजातियों की रंगमयी संस्कृति देखने को मिलती है।
(2) मरूस्थलीय क्षेत्र के लोक नाट्यों में व्यंग्य विनोद प्रधानता होती है।
(3) अलवर, भरतपुर के लोक नाट्यों में हरियाणा व उत्तर प्रदेश की संस्कृति का प्रभाव नजर आता है।
(4) धौलपुर व सवाईमाधोपुर के लोक नाट्यों में ब्रज भूमि की संस्कृति का प्रभाव दिखाई देता है। (1)

व्याख्या – मरुस्थलीय क्षेत्र में मनोरंजन करने वाली पेशेवर जातियों द्वारा लोकनाट्यों का मंचन किया जाता है। यहाँ के लोकनाट्य व्यंग्य विनोद प्रधान होते हैं।

21. निम्न में से असंगत युग्म है–

नाट्य	स्थान
(1) चारबैंत	टोंक
(2) नोटंकी	कोटा
(3) रासलीला	फूलेरा (जयपुर)
(4) भेंट के दंगल	धौलपुर

(2)

व्याख्या– नोटंकी राजस्थान के पूर्वी जिलों भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर व अलवर जिलों में सर्वाधिक खेली जाती है।

22. निम्न में से असंगत युग्म है–

संस्था	स्थान
(1) राम प्रकाश थियेटर	जयपुर
(2) मारवाड़ नाटक संस्थान	जोधपुर
(3) भवानी नाट्य शाला	भरतपुर
(4) गंगा थियेटर	बीकानेर

(3)

व्याख्या– भवानी नाट्यशाला झालावाड़ में है।

23. राजस्थान का कौनसा शहर 'पाटा संस्कृति' के लिए प्रसिद्ध है?
(1) बीकानेर (2) जयपुर
(3) उदयपुर (4) अजमेर (1)

व्याख्या– रम्मतों का मंचन बीकानेर में मोहल्लों के मध्य बने चौक में होता है। चौक में रखे लकड़ी के बने बड़े पाटों पर इसका मंचन होता है।

24. निम्न में से असंगत युग्म है–

संस्था	संस्थापक
(1) राम प्रकाश थियेटर	महाराजा रामसिंह द्वितीय, 1878
(2) मारवाड़ नाटक संस्थान	जसवंत सिंह, 1902
(3) भवानी नाट्य शाला	भवानी सिंह, 1921
(4) गंगा थियेटर	गंगासिंह द्वारा निर्मित

(2)

व्याख्या– मारवाड़ नाटक संस्थान की स्थापना जोधपुर में लक्ष्मणदास डांगी ने 1897 ई. में की थी।

25. गवरी नाट्य के विभिन्न प्रसंगों को आपस में जोड़ने वाला सामूहिक नृत्य क्या कहलाता है?
(1) गवरी का हेला (2) गवरी की कहन
(3) गवरी की घाई (4) गवरी के बोल (3)

व्याख्या – गवरी की घाई नाट्य का कथानक क्रमबद्ध नहीं होता है, इसीलिए इसमें विभिन्न प्रसंगों को आपस में जोड़ने वाले सामुहिक नृत्य को गवरी की घाई कहते हैं।

26. राजस्थानी नाटकों के जनक व निर्देशक थे?
(1) माणिक्य लाल डांगी (2) गणपत लाल डांगी
(3) मास्टर नैनुराम (4) कन्हैयालाल पंवार (4)

27. कौनसा लोकनाट्य जैन धर्म पर आधारित है–
(1) तमाशा (2) चारबैंत
(3) कन्हैया ख्याल (4) गंधर्व नाट्य (4)

व्याख्या– मारवाड़ में गंधर्व जाति पेशेवर नृत्य एवं गायन करती है। इसमें अंजना सुन्दरी और मैना सुन्दरी नामक संगीत नाट्यों का प्रदर्शन किया जाता है।

28. गवरी नाट्य के बारे में निम्न में से असत्य कथन है?
(1) यह राजस्थान का सबसे प्राचीन लोकनाट्य है।
(2) यह दिन में प्रदर्शित होने वाला एकमात्र लोकनाट्य है।
(3) यह शिव भस्मासुर की कथा पर आधारित है।
(4) इसका सुत्रधार ' मेड़िया' कहलाता है। (4)

व्याख्या– इस नाट्य का सुत्रधार 'कुटकुटिया/ खट्कड्या' कहलाता है।

29. निम्न में से असंगत युग्म है–

नाट्य	पात्र
(1) कन्हैया ख्याल	मेड़िया
(2) गवरी नाट्य	राई बूढ़िया
(3) रम्मत	झामट्या
(4) स्वांग	बहरूपिया

(3)

व्याख्या– रम्मत के मुख्य कलाकार 'टेरिये' होते हैं। टेरिये के बोल के साथ पात्र नाचते हुए अपनी कला प्रदर्शित करते हैं।

30. गवरी नाट्य में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख वाद्ययंत्र है?
(1) थाली व मांदल (2) ढ़ोलक व मंजीरा
(3) कमायचा व करताल (4) पुंगी व मशक (1)

31. राजस्थान में रासलीला का प्रमुख केन्द्र है?
(1) बिसाऊ (झुंझुनूं) (2) फूलेरा (जयपुर)
(3) बस्सी (चित्तौड़) (4) केलवा (राजसमंद) (2)

32. रासलीला के प्रवर्तक किसे माना जाता है?
(1) तुलसीदास (2) कबीरदास
(3) वल्लभाचार्य (4) रामानन्द (3)

33. राजस्थान में किस स्थान की मूक रामलीला प्रसिद्ध है?
(1) डीग (भरतपुर) (2) गजनेर (बीकानेर)
(3) बिसाऊ (झुंझुनूं) (4) घोसुंडा (चित्तौड़) (3)

34. किस नाट्य कला में कलाकार ढ़फ बजाकर कव्वालों की भांति भावावेश में घुटनों के बल खड़े होकर गीत गाते हैं?
(1) रामलीला (2) चारबैंत
(3) नौटंकी (4) तमाशा (2)

व्याख्या– चारबैंत लोकनाट्य मूल रूप से अफगानिस्तान की एक कला हैं। चारबैंत गायन परम्परा शैली में ढ़फ बजाकर कवाल्लों की भांति भावावेश में घुटनों के बल खड़े होकर गीत गाते हैं।

35. दुलिया राणा व नानूराम का संबंध किस ख्याल से है?
(1) शेखावाटी ख्याल (2) कन्हैया ख्याल
(3) हेला ख्याल (4) जयपुरी ख्याल (1)

व्याख्या – शेखावाटी ख्याल के प्रवर्तक चिड़ावा निवासी नानूराम राणा थे। इसीलिए इसे चिड़ावा ख्याल भी कहा जाता है। शेखावाटी में इसे लोकप्रिय करने वाले खिलाड़ी नानूराम राणा के शिष्य दुलिया राणा है।

36. शाह अली व तुकनगीर को क्रमशः तुर्रा व कलंगी चंदेरी के शासक तुकनगीर ने भेंट किये थे, इसमें तुर्रा व कलंगी किसके प्रतीक है?
(1) शिव–पार्वती (2) शिव–भस्मासुर
(3) राधा–कृष्ण (4) इनमें से कोई नहीं (1)

37. निम्न में से कौनसा जयपुरी ख्याल शैली का प्रसिद्ध ख्याल नहीं है?
(1) जोगी–जोगण (2) मियाँ–बीबी
(3) कान–गुजरी (4) ढोला–मरवन (4)

व्याख्या– ढोला–मरवन, हरिचंद, हीर–राँझा, जयदेव कलाली, भृर्तहरि व आल्हादेव आदि नानूराम द्वारा रचित शेखावाटी ख्याल है।

38. मनीराम व्यास, तुलसीराम, फागू महाराज, सुआ महाराज व तेज कवि का संबंध किस लोकनाट्य से है?
(1) गवरी नाट्य (2) रम्मत
(3) तमाशा (4) नौटंकी (2)

39. निम्न में से कौनसा युग्म असंगत है ?

लोकनाट्य शैली	प्रचलित क्षेत्र
(1) चारबैत –	टोंक
(2) रसिया दंगल–	डीग (भरतपुर)
(3) भवाई–	हनुमानगढ़
(4) रासलीला–	फुलेरा (जयपुर) (3)

व्याख्या– भवाई नाट्य मूलतः गुजरात का लोकनाट्य है। राजस्थान में गुजरात के सीमावर्ती जिलों में यह काफी लोकप्रिय है। यह भवाई जाति के लोगों द्वारा भी प्रस्तुत किया जाता है।

40. गवरी नाट्य में 'पुरिया/बुढ़िया' किसे कहा जाता है?
(1) ब्रह्मा का रूप धारण करने वाला
(2) शिव का रूप धारण करने वाला
(3) विष्णु का रूप धारण करने वाला
(4) भस्मासुर का रूप धारण करने वाला (2)

Dhindhwal Publication

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती मुख्य परीक्षा– 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

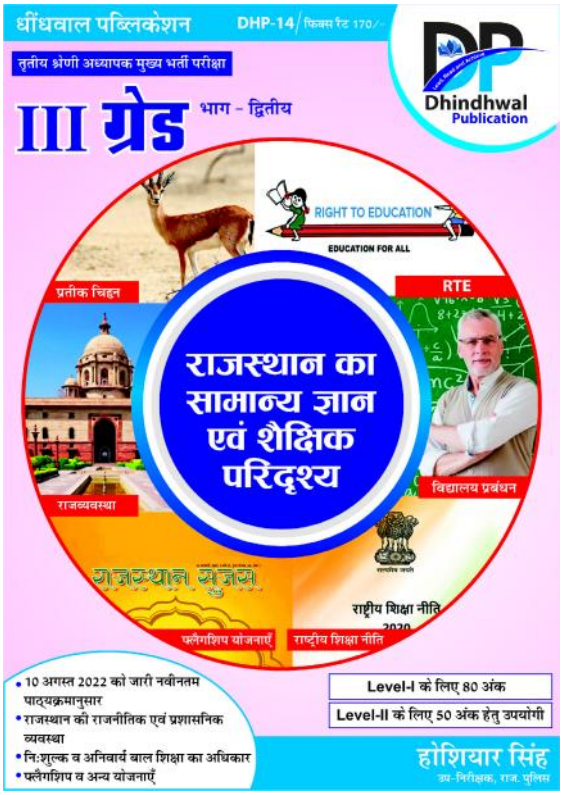

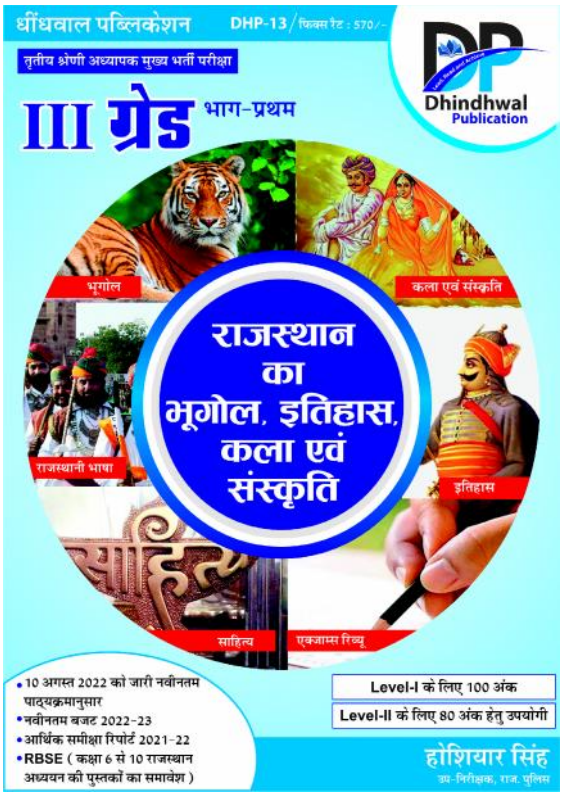

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध हैं। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।